सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह
www.swarajindianews.com
swarajindianews swarajindianews
# स्वराज इंडिया
दैनिक सांध्यकालीन
कानपुर, बुधवार, 10 दिसंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 328, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड जनसेवा केंद्र की यूपीआई आईडी से साइबर ठगों ने... » Pg08

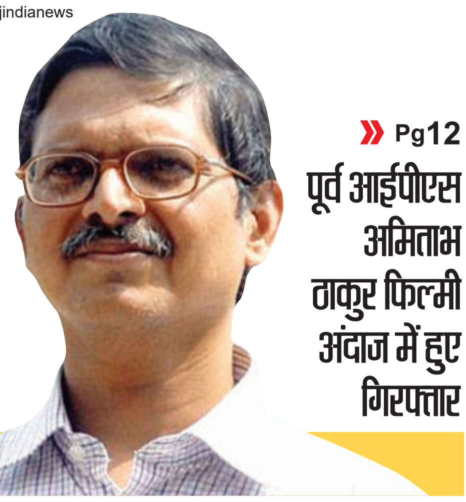

» Pg12
पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर फिल्मी अंदाज में हुए गिरफ्तार

## कानपुर में बायो रेमेडीएशन के नाम पर धोखा

# गंगा-पांडु नदी ट्रीटमेंट के नाम पर बड़ा घोटाला

## कंपनी की कार्य कुशलता और नगर निगम की गंभीरता पर उठ रहे प्रश्न

## नालों को ट्रीट करने के लिए नमामि गंगे योजना के तहत निकाला टेंडर, एक माह बाद भी नहीं शुरू हुआ कार्य

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

» निर्मल तिवारी स्वराज इंडिया।

कानपुर। 3 जनवरी से प्रयागराज में माघ मेला प्रारंभ होगा। माघ मेला सनातन की एक स्वर्णिम परंपरा है। पौष पूर्णिमा स्नान के साथ यह दिव्य उत्सव प्रारंभ होगा। योगी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है माघ मेले के दौरान गंगा जी अविरल हों निर्मल हों। योगी सरकार के संकल्प की सिद्धि तभी संभव है जब कानपुर नगर से गंगा जी में विभिन्न माध्यमों से पहुंच रहा जल भली भांति शोधित हो। सभी जानते हैं शहर के 6 नालों का पानी अभी भी सीधे गंगा जी में पहुंचता है। इन अनटैप्ड नालों के गंदे पानी को नगर निगम विशेषज्ञ कंपनी या कंपनियों से जैवोपचार विधि (बायोरेमेडीएशन) से शोधित कराता है ताकि शोधित जल ही गंगा जी में पहुंचे। लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या यह कार्य पूरी निष्ठा के साथ हो रहा है? योगी और मोदी सरकार की सर्वोच्च वरीयता वाले इस कार्य को क्या अधिकारी पूरी शिद्दत और गंभीरता के साथ पूर्ण कर रहे हैं? अफसोस धरातलीय स्थितियां नकारात्मक तस्वीर पेश कर रही हैं! स्वराज इंडिया की टीम ने जब कैंट और जाजमऊ क्षेत्र के ऐसे दो नालों की पड़ताल की तो वहां पर उपस्थित दृश्य से मात्र इतना ही प्रतिबिंबित हुआ घोर लापरवाही।

### अति संवेदनशील डबका नाले पर मात्र एक डोजिंग पॉइंट

स्वराज इंडिया टीम ने सबसे पहले डबका नाले की ओर रुख किया। गंगा जी में गंदगी पहुंचाने के लिए यह नाला सबसे ज्यादा कुख्यात है। कारण है कि यह नाला टेनरी क्षेत्र से गुजरता हुआ आता है और जिम्मेदार विभागों के ना चाहते हुए भी चमड़ा शोधन का गंदा केमिकल युक्त पानी भी साथ में चला ही आता है। ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार इसी स्थान पर एयर फोर्स स्टेशन और भज्जापुरवा नाले के ओवरफ्लो होने पर सीवेज वाटर झरने की शक्ल में इसी डबका नाले से होकर गंगा जी में पहुंच जाता है। चिंताजनक बात यह है कि कानपुर को कलंकित करने वाले इस झरना स्थल से गंगा जी की दूरी मात्र कुछ मीटर ही होगी। डोजिंग का काम कर रही फर्म ने इस संवेदनशील नाले पर मात्र एक डोजिंग पॉइंट बनाया है। वह भी गंगा जी से मात्र कुछ मीटर की दूरी पर। इसके अतिरिक्त नाले से प्रवाहित पानी को मापने के लिए कोई भी यंत्र अब तक नहीं लगाया गया है। एक अन्य जरूरी उपाय

नदी में गिर रहे जहरीले नालों के ट्रीटमेंट के नाम पर कागजी खेला

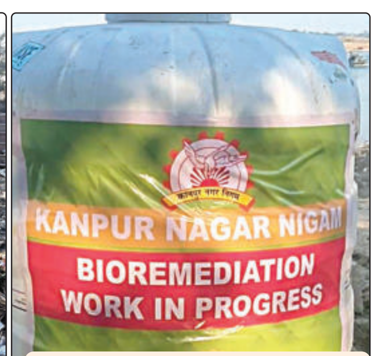


### टेंडर के अनुसार आवश्यक कार्य

- जैव उपचार विधि से शोधन वी नोच और जाली लगाना।
- नाले के निकट बांध या बंधे का निर्माण कार्य।
- दुर्गंध नियंत्रण का उपाय
- डोजिंग स्थल से 5 किलोमीटर पीछे तक ठोस/ तैरती सामग्री को हटाना और उसका सुरक्षित निपटान करना
- नमूनों का साप्ताहिक संग्रह और परीक्षण करना।
- थर्ड पार्टी द्वारा मासिक रूप से नमूना संग्रह और परीक्षण।

» **हर नाले पर मात्र एक डोजिंग पॉइंट, वी नोच और जाली भी नहीं की स्थापित**

» **मैस्कर घाट पर सूखे नाले की करते रहे 22 दिन तक डोजिंग, लखनऊ से आई जांच टीम ने लगाई फटकार**

जाली लगाने की जहमत भी अब तक इस कंपनी ने नहीं उठाई है। दुर्गंध की स्थिति चीख कर कह रही है कि दुर्गंध शमन का उपाय भी शायद अमल में नहीं लाया गया है। इस स्थान पर पानी काफी तीव्र वेग से गंगा जी की ओर जाता है फिर भी कंपनी द्वारा अब तक उस पानी के प्रवाह को रोकने का कोई इंतजाम यहां पर नहीं किया गया है।

### मैस्कर घाट में गलत जगह करते रहे डोजिंग

टीम जब मैस्कर घाट के निकट स्थित नाले पर पहुंची तो वहां पर बिल्कुल गंगा जी के तट पर ही डोजिंग के लिए टंकी स्थापित करने की कवायद में लगे कुछ लोग मिले, पूछने पर कार्यरत कंपनी के एक कर्मचारी शुभम ने बताया कि कल तक हम गलत जगह डोजिंग कर रहे थे। कल लखनऊ से कुछ अधिकारी आए और इस नाले पर डोजिंग करने को कहा। आज हम यहां पर डोजिंग पॉइंट बना रहे हैं। जब उससे पूछा गया क्या सब जगह एक ही डोजिंग पॉइंट बनाया जा रहा है तो उसने हां में उत्तर दिया।

### कार्यशैली पर प्रश्न

शासन की मंशा है गंगा नदी में गिर रहे छह अन्टैप्ड नालों और पांडु नदी में गिर रहे तीन अन्टैप्ड और दो आंशिक टैप्ड नालों के दूषित जल को जैव उपचार विधि (बायोरेमेडीएशन) द्वारा शोधित कर दोनों नदियों में शोधित जल प्रवाहित किया जाए। शासन की मंशानुरूप ही नगर निगम ने ई टेंडर जारी किया। जिसमें इच्छुक कंपनियों से जो कार्य अपेक्षित किए गए वह अलग बॉक्स में दिए गए हैं। नियमानुसार ठेका प्राप्त कंपनी को वर्क आर्डर मिलते ही कुछ प्रमुख कार्य सबसे पहले करने चाहिए थे। डोजिंग शुरू करने से पहले सबसे महत्वपूर्ण काम था नाले की सफाई, इसके बाद जाली, वी नोच लगाने और साथ ही बांध, बंधा या तालाब बनाकर जल के प्रवाह को बाधित करना ताकि दूषित पानी कुछ समय तक बैक्टीरिया के संपर्क में रहे। लेकिन 22-23 दिन गुजर जाने के बाद भी कार्यरत कंपनी मात्र एक डोजिंग की व्यवस्था करके अपने कर्तव्य की इतिश्री करती नजर आ रही है।

### लखनऊ से आई टीम हुई नाराज

डबकेश्वर घाट और मैस्कर घाट पर मिले कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि कल यानी 8 दिसंबर को लखनऊ से कुछ लोग जांच करने आए थे। जिन्होंने व्याप्त अव्यवस्थाओं पर नाराजगी व्यक्त की और कार्यरत फर्म के लोगों को लताड़ लगाते हुए सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की ताकीद की। नाम न छापने की शर्त पर एक व्यक्ति ने बताया कि सोमवार को सेंटर पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड लखनऊ से एक टीम आई थी और उसने मैस्कर घाट पर कंपनी के कर्मचारियों को जबरदस्त लताड़ लगाई थी। इस व्यक्ति का दावा है कि कंपनी अनजाने में नाले पर डोजिंग पॉइंट बनाने की बजाय एक अन्य स्थान पर डोजिंग कर रही थी जहां पर कभी कभार वाटर लाइन का पानी रिसाव से आ जाता है।

प्रश्न यह उठता है कि यदि सीपीसीबी लखनऊ की टीम कानपुर में आकर निरीक्षण करने का समय निकाल लेती है तो कानपुर नगर निगम के जिम्मेदारों ने अब तक निरीक्षण का समय क्यों नहीं निकल पाया? नगर निगम के जिम्मेदार अफसर यदि कार्य शुरू होते ही मौका मुआयना करने आए होते तो मैस्कर घाट पर 22 दिन तक सूखे नाले की डोजिंग ना चल रही होती और इतने दिनों तक नाले का पानी बिना शोधित हुए ही गंगा जी में ना समाता।

"सबसे पहले डोजिंग शुरू करने के लिए कहा गया था। वी नोच एक दो जगह लग गई हैं। सप्ताह भर के अंदर सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली जाएंगी। लखनऊ से आई टीम के विषय में कोई जानकारी नहीं है।

– हेमंत गुप्ता
प्रोजेक्ट अधिकारी
ऑर्गेनिक साइंटिफिक 121
प्राइवेट लिमिटेड

# जैना पैलेस पर कब्ज़े का विवाद गहराया, आवंटी पहुंचे केडीए

## भू-माफिया पर मिलीभगत कर कब्जा करने के आरोप, सुरक्षा की मांग

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

**कानपुर। केडीए के जोन 3 स्थित रतन लाल नगर स्थित जैना पैलेस की भूमि पर जबरन कब्ज़ा, अवैध निर्माण ध्वस्तीकरण और आवंटियों को बेदखल करने के गंभीर आरोपों को लेकर आवंटीगण ने केडीए उपाध्यक्ष को विस्तृत प्रतिवेदन सौंपा। पीड़ितों ने शहर के कुख्यात भू-माफियाओं के गठजोड़ द्वारा भवन गिराने और दुकानों को खाली कराने की साजिश का आरोप लगाया जा रहा है।**

जैना पैलेस के आवंटियों का कहना है कि वर्ष 1986-87 में कानपुर विकास प्राधिकरण ने लगभग 25,000 वर्गमीटर भूमि को दक्षिण पिछड़ा क्षेत्र विकास योजना के तहत 90 वर्ष की लीज पर बहुउद्देशीय कॉम्प्लेक्स निर्माण के लिए जैना प्रॉपर्टीज एंड फाइनेंस लिमिटेड को आवंटित किया था। कंपनी ने यहां तीन टावरों व दो एक-मंजिला ब्लॉकों का निर्माण भी कराया, जिसके आधार पर आवंटियों ने अपने फ्लैट व दुकानें बुक करवाकर कब्ज़ा प्राप्त किया।

आवंटियों ने प्रतिवेदन में आरोप लगाया है कि शहर के भू-माफिया मनोज सिंह सेंगर ने अवैध तरीके से कंपनी के निदेशक मंडल में प्रवेश कर लिया है और पिछले दो वर्षों से जबरन कब्ज़े का प्रयास कर रहा है। पीड़ितों के अनुसार, सेंगर अपने गुर्गों के साथ आवासीय ब्लॉक में घुसकर खिड़कियाँ-दरवाजे तुड़वा चुका है, दुकानों के बाहर नोटिस चस्पा करवा चुका है और अब धमकी देकर दुकानों को खाली कराने की कोशिश कर रहा है।

आवंटियों ने बताया कि 9 नवम्बर 2025 को सेंगर व उसके लोगों ने मशीनों और विस्फोटक के इस्तेमाल से

स्वराज इंडिया
कानपुर सिटी
06
रतनलाल नगर में जैना पैलेस की जमीन पर माफियाओं की जुगलबंदी
» वर्ष 1989 में टैक चन्द जैना की व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स निर्माण हेतु लीज पर दी गई थी भूमि पर भू-माफिया सक्रिय
» कब्जे को लेकर विवाद गहराया, वरिष्ठ पार्षद नवीन पंडित ने केंद्रीय टीमों से की शिकायत

चार मंज़िला आवासीय ब्लॉक ध्वस्त कर दिया तथा करोड़ों रुपये मूल्य का भवन मलबा उठाकर ले गए। विरोध करने पर दुकानों को भी रात में गिरा देने की धमकियाँ दी गईं।

पीड़ितों ने केडीए और पुलिस को बार-बार शिकायत देने के बावजूद कार्रवाई न होने पर नाराजगी जताई है। प्रतिवेदन में यह भी उल्लेख है कि बिना अनुमति हरा-भरा बड़ा पेड़ काटे जाने की एफआईआर दर्ज हुई, पर उस पर भी कोई कदम नहीं उठाया गया।

आवंटियों ने आरोप लगाया कि सेंगर और कंपनी के पुराने-नए निदेशकों की मिलीभगत से केडीए अधिकारियों के साथ सांठ-गांठ कर खाली भूमि को प्लॉटों में विभाजित कर अवैध रूप से बेचने की तैयारी चल रही है, जबकि जमीन अभी भी केडीए के स्वामित्व में है और कंपनी ने पूर्ण भुगतान भी नहीं किया है। उन्होंने इसे स्पष्ट धोखाधड़ी, अवैध कब्ज़ा और भ्रष्टाचार का मामला बताते हुए विस्तृत जांच की मांग की है।

### प्रार्थना में आवंटियों ने केडीए उपाध्यक्ष से यह मांग की

- अवैध तरीके से भवन गिराने की कार्रवाई तत्काल रोकी जाए
- मनोज सिंह सेंगर, कंपनी निदेशकों व संबंधित अधिकारियों पर भ्रष्टाचार व अवैध कब्ज़े की जांच कर कार्रवाई की जाए
- लीजडीड, भुगतान विवरण और कंपनी प्रबंधन में हुए बदलाव की जांच की जाए
- आवंटियों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए
- पीड़ित दुकानदारों और निवासियों ने अपने हस्ताक्षर व दुकान/फ्लैट नंबर सहित पूरी सूची भी संलग्न की है।

# नए साल से कोलकाता के लिए शुरू होगी उड़ान

## » हैदराबाद के लिए भी रोज मिलेगी फ्लाइट, जल्द होगा जारी शेड्यूल

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। यात्रियों के बढ़ते लोड और मांग को देखते हुए चकेरी एयरपोर्ट से नए साल से कोलकाता के लिए नई उड़ान शुरू होगी, जबकि हैदराबाद और बेंगुलरु की उड़ानें अब रोजाना चलेंगी। नए साल से चकेरी एयरपोर्ट से कोलकाता के लिए फ्लाइट मिल सकेगी। इसके अलावा हैदराबाद की फ्लाइट रोजाना मिलेगी। मंगलवार को एयरपोर्ट अथॉरिटी की बैठक में यह

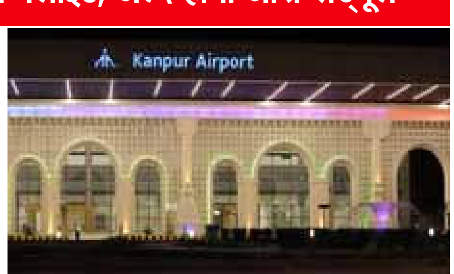


फैसला लिया गया है। इस बीच बुधवार से बंगलूरू की फ्लाइट रोजाना चलेगी। अभी यह तीन दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को मिलती थी। यात्रियों के बढ़ते लोड को देखते हुए एक जनवरी से इंडिगो एयरलाइंस हैदराबाद की फ्लाइट रोजाना उड़ान भरेगी। कोलकाता की नई उड़ान का शेड्यूल अभी जारी नहीं हुआ है।जल्द ही शेड्यूल जारी होने की संभावना है। अब इंडिगो एयरलाइंस की नई उड़ानों के शामिल होने से कानपुर एयरपोर्ट पर कुल उड़ानों की संख्या छह हो जाएगी। इससे यात्रियों को यात्रा के लिए अधिक विकल्प मिलेंगे। हैदराबाद और बंगलूरू में तमाम कॉलेज और नौकरीपेशा रोजाना सफर करते हैं। बढ़ते लोड और फ्लाइट कम होने के चलते यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। बता दें कि अभी शहर से दिल्ली और मुंबई के लिए नियमित उड़ानें हैं। हैदराबाद के लिए चार दिन सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार को फ्लाइट मिलती है।लगातार यात्रियों के बढ़ते लोड को देखते हुए पिछले महीने केंद्रीय उड्डयन राज्यमंत्री राम मोहन नायडू को पत्र दिया था। इसमें बंगलूरू, हैदराबाद के अलावा कई और शहरों के लिए कानपुर से फ्लाइट शुरू करने की मांग की थी। इसी तरह अयोध्या और कोलकाता के लिए वाया कानपुर फ्लाइट चलवाने की बात की गई है। इसी क्रम अगले साल से प्रक्रिया शुरू हो रही है।

# डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह के लाख प्रयास के बाद भी नहीं हुआ सुधार

**» सुनवाई की प्रगति रैंकिंग 70वें स्थान पर पहुंच गई है**

**» कागजों में जनता की शिकायतों का हो रहे निस्तारण**

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर जिले की आईजीआरएस रैंकिंग नवंबर में एक बार फिर से गिरकर 70वें स्थान पर पहुंच गई है। शासन स्तर से विभागवार जारी निगेटिव फीड बैक के बाद अफसरों की पोल खुली है। सबसे खराब फीडबैक नगर निगम, केडीए, जलकल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के शिकायतकर्ताओं का रहा। शिकायत निस्तारण में लापरवाही बरतने पर एडीएम सिटी ने 48 विभागों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है।

एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि सबसे अधिक शिकायतें नगर निगम, केडीए और जलकल विभाग से जुड़ी हैं। बिना बात किए ही

**सबसे ज्यादा खराब फीडबैक वाले विभाग**

| | |
|---|---|
| अपर नगर आयुक्त– | 1132 |
| नगर आयुक्त– | 1103 |
| दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम– | 248 |
| केडीए सचिव– | 177 |
| जलकल अधिशासी अभियंता– | 173 |
| केडीए वीसी– | 162 |

शिकायतें निस्तारित कर दी गई हैं। करीब 48 अफसरों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। सही जवाब न मिलने पर सख्त कार्रवाई होगी।

आईजीआरएस रैंकिंग में अक्तूबर में जिले की रैंकिंग सुधरकर 63वें स्थान पर पहुंची थी, लेकिन नवंबर में अफसरों की लापरवाही के कारण फीडबैक काफी खराब रहा। ज्यादातर

**इन विभाग की शिकायतें डिफॉल्टर हो गईं**

| | |
|---|---|
| नगर निगम– | सात |
| प्रभागीय वन अधिकारी– | छह |
| लीड बैंक मैनेजर– | छह |
| जल निगम अधिशासी अभियंता– | पांच |
| बीएसए– | पांच |

अफसरों ने घर बैठे ही शिकायतें निस्तारित कर दीं। इस कारण जिला 114 अंकों के साथ फिर से 70वें स्थान पर पहुंच गया।

खराब रैंक आने के बाद जब एडीएम सिटी ने विभागवार शिकायतों की समीक्षा की तो हकीकत कुछ और ही मिली। नगर निगम, विद्युत, केडीए, जलकल, शिक्षा विभाग के अफसरों ने सबसे ज्यादा शिकायत निस्तारण लापरवाही बरती है।

# दोहरा संकट,खाद की किल्लत के बीच समितियों के सचिवों की हड़ताल, सचिव से मारपीट पर कार्रवाई की मांग

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर में गेहूं की बुवाई के समय डीएपी खाद की किल्लत तो हमेशा बनी ही रहती है। अब इसके बाद यूरिया खाद के लिए भी मारामारी मची हुई है। सरसौल ब्लॉक की समितियों में यूरिया खाद के लिए आए दिन गाली गलौज मारपीट हो रहा है।

मंगलवार को प्रेमपुर समिति में सचिव के साथ हुई मारपीट मामले से समितियों के सचिव आक्रोशित है, जिनका खामियाजा अब किसानों को भुगतना पड़ रहा है। यूरिया खाद का संकट भी गहरा गया है। बुधवार की सुबह एक दर्जन से अधिक सचिव सरसौल ब्लॉक पहुंचकर एडीओ सी रवि वर्मा को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी प्रमुख मांगे रखी हैं। इसमें उन्होंने बताया कि जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होती हैं और प्रेमपुर समिति के सचिव के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती है। तब तक वह समितियों का ताला नहीं खोलेंगे। एडीओ ने बताया कि सचिवों द्वारा ज्ञापन प्राप्त हुआ है। ज्ञापन के संबंध में उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। उच्च अधिकारियों के दिशा निर्देश पर निर्णय लिए जाएंगे।

# रिवाल्वर साफ करते समय चली गोली, कारोबारी की कनपटी से हुई पार, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

कानपुर। आजाद नगर में वृद्ध कारोबारी घर पर लाइसेंसी रिवाल्वर साफ करते समय गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें रीजेंसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है।कानपुर में नवाबगंज थाना क्षेत्र के आजाद नगर में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। 73 वर्षीय कारोबारी सत्येंद्र कुमार गुप्ता अपने घर में लाइसेंसी रिवाल्वर साफ कर रहे थे, तभी अचानक गोली चल गई। गोली उनकी दाहिनी कनपटी में लगकर बाईं कनपटी से पार हो गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें रीजेंसी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उनका उपचार जारी है।

# अरौल में गर्दा उड़ाने वाले वीडियो में नया ट्विस्ट..!

## अब वीडियो बनाने और वायरल करने वाले की तलाश कर रही पुलिस, पूछताछ में युवक ने कहा लड़की से तय है मेरी शादी

» दरोगा की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ आईटी एक्ट में मुकदमा हुआ दर्ज।

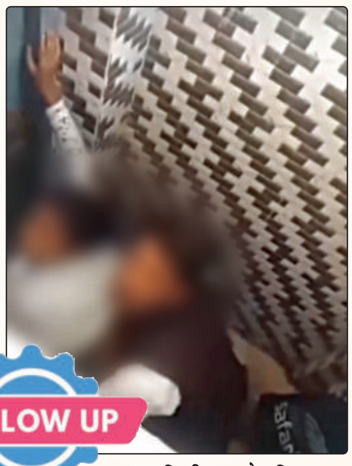


» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

**बिल्हौर (कानपुर)। अरौल क्षेत्र में गर्दा उड़ा देने वाले 18 सेकंड के वायरल वीडियो ने मंगलवार को मामला पूरी तरह पलट दिया। वीडियो सामने आने के बाद जहां तरह-तरह की चर्चाएँ थीं, वहीं अब पुलिस की जांच में बड़ा मोड़ सामने आया है। जांच आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने वीडियो में नज़र आ रहे युवक को थाने बुलाकर पूछताछ की।**

पूछताछ में युवक ने बताया कि वीडियो में दिखाई दे रही युवती कोई छात्रा या अनजान लड़की नहीं, बल्कि उसकी होने वाली पत्नी है और दोनों की शादी तय हो चुकी है। उसने कहा कि वे दोनों अपनी मर्ज़ी से मिले थे और किसी तरह का दबाव या अपराध नहीं है। थानाध्यक्ष जनार्दन यादव ने बताया कि वीडियो में दिख रहे दोनों पक्षों को किसी भी तरह की आपत्ति नहीं है। दोनों बालिग हैं, उनका वह निजी पल है। शिकायत आती तो कार्रवाई होती, पर किसी पक्ष ने कोई शिकायत नहीं की। उधर, वीडियो को सोशल मीडिया पर फैलाने को लेकर पुलिस ने कड़ा रुख अपनाया है। थाने के दरोगा मनीष की तहरीर पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ आईटी एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस उस शख्स की तलाश कर रही है जिसने वीडियो बनाकर इंटरनेट पर वायरल किया और पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया। पुलिस टीम अब वायरल करने वाले की पहचान जुटाने के लिए तकनीकी जांच में लग गई है। पुलिस अधिकारी का कहना है। निजता भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

### अगर होने वाली पत्नी थी, तो इतनी भी क्या जल्दी थी?

अरौल में वायरल हुए 18 सेकंड के वीडियो ने सोशल मीडिया पर गर्दा उड़ा दी है। पुलिस पूछताछ में युवक ने दावा किया कि वीडियो में दिख रही युवती उसकी होने वाली पत्नी है और दोनों की शादी तय थी। लेकिन सवालों का नया सिलसिला यहीं से शुरू होता है अगर रिश्ता पक्का था, तो आखिर मिलने की ऐसी क्या जल्दी थी? क्या वे किसी सुरक्षित जगह पर आराम से मिल नहीं सकते थे? क्या जल्दबाज़ी इतनी हावी थी कि निजी पल को बाथरूम में ही आज़माने की नौबत आ गई? सूत्र बताते हैं कि जिस बाथरूम में दोनों ने यह निजी पल जिया, वह स्टेशन के पास स्थित है। हालांकि इसकी पुष्टि स्वराज इंडिया अख़बार नहीं करता।इसी वजह से वायरल वीडियो के बाद चर्चाओं का पारा चढ़ा हुआ है। मामला सिर्फ निजी पलों का नहीं, बल्कि गोपनीयता, जल्दबाज़ी और जगह के चयन पर भी सवाल खड़े कर रहा है। लोगों का कहना है कि ऐसे कृत्यों से माहौल भी गंदा होता है, और सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की हरकतें समाज में गलत सन्देश देती हैं।

# मैंने परेशान होकर यह कदम उठाया है... मैं चोर नहीं हूं!

## विवाहिता ने जहर खाकर दी जान देने की कोशिश

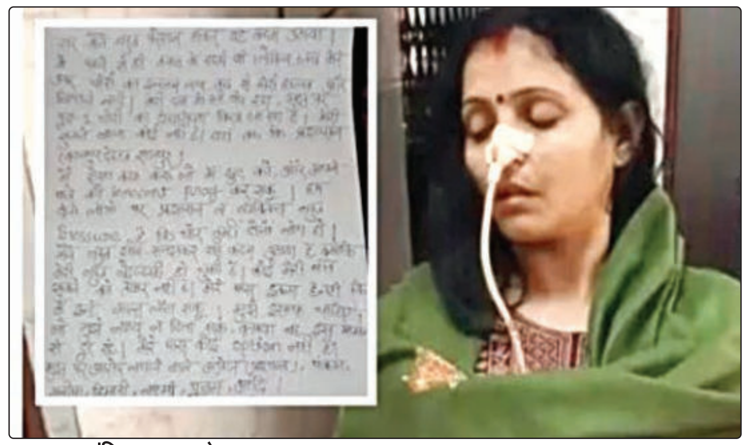

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

**बिल्हौर (कानपुर)। मायके में शादी समारोह के दौरान गहनों की कथित चोरी के आरोप से आहत एक विवाहिता ने मंगलवार को जहर खा लिया। गंभीर हालत में उसे बिल्हौर सीएचसी से हैलट अस्पताल रेफर किया गया। घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है।**

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिल्हौर के बलरामनगर निवासी हिमांशु तिवारी की पत्नी दीपिका तिवारी हाल ही में राजपुर (कानपुर देहात) स्थित मायके में एक विवाह समारोह में शामिल होने गई थीं। इसी दौरान परिवार की कुछ महिलाओं के गहने गायब हो गए। शक की सुई दीपिका पर टिकते ही कहासुनी बढ़ गई। आरोपों से आहत दीपिका सोमवार शाम ससुराल लौट आईं, लेकिन यहां भी उन्हें पुलिस कार्रवाई की धमकी दी गई। घटना से टूट चुकी दीपिका ने भावुक नोट लिखा। इसमें उसने साफ लिखा। मैं चोर नहीं हूं। मुझ पर और मेरे पति पर झूठा आरोप लगाया जा रहा है। मेरी सुनने वाला कोई नहीं है। ऐसा क्या करूं, जिससे हम दोनों बेगुनाह साबित हो सकें।

रिश्तेदारों के साथ पुलिस भी कह रही है कि मैं और मेरा पति चोर हैं। मैंने बहुत सोच-समझकर यह कदम उठाया है। क्योंकि मेरी बहुत बेइज्जती हो चुकी है। इसके साथ ही सुसाइड नोट में उन लोगों के भी नाम लिखें जो चोरी का आरोप लगा रहे हैं। इसके बाद उसने जहरीला पदार्थ निगल लिया। परिजन आनन-फानन उसे अस्पताल ले गए। घटना सोमवार शाम बिल्हौर क्षेत्र की है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, दीपिका द्वारा लिखा गया नोट सोशल मीडिया पर फैलने के बाद पड़ोस में कई तरह की चर्चाएं हैं। हालांकि वायरल हुए सुसाइड नोट की आपका अपना स्वराज इंडिया अखबार पुष्टि नहीं करता है। वहीं, थाना प्रभारी अशोक कुमार सरोज ने कहा कि सोशल मीडिया के जरिए सूचना मिली है। अगर पीड़ित पक्ष तहरीर देगा तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

# आरपीएस गौरव इंटरनेशनल स्कूल में श्रद्धांजलि पर भजन बेला

## छात्रों व शिक्षकों ने वातावरण को बनाया भक्तिमय

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

**बिल्हौर(कानपुर)। मकनपुर स्थिति आरपीएस गौरव इंटरनेशनल स्कूल में सोमवार को संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय आर.पी.एस. कटियार की पुण्यतिथि पर भजन बेला का आयोजन किया गया।**

कार्यक्रम का शुभारंभ अरौल थाने में तैनात एसआई प्रीतांजलि यादव, एसआई ओमप्रकाश, एसआई विशाल शर्मा, एसआई हेमंत तथा स्व. कटियार की पुत्री मृदुला वर्मा ने दीप प्रज्वलन से किया। सभी ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन भेंट किए। छात्रों व शिक्षकों ने भजन, प्रार्थनाएँ और श्लोक प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। प्रबंध समिति के सदस्य लवांश कटियार ने विदेश से संदेश भेजकर अपनी श्रद्धांजलि व्यक्त की। प्रधानाचार्या श्रीमती लकी जैन ने अप्पो दीपो भवः का संदेश देते हुए छात्रों को स्व0 कटियार के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा दी। स्कूल की निदेशक एवं उनकी पुत्री श्रीमती आरती कटियार ने कहा कि छात्रों व शिक्षकों की निष्ठा यह दर्शाती है कि स्व0 कटियार के मूल्य आज भी जीवित हैं। कार्यक्रम शांति पाठ के साथ सम्पन्न हुआ।

# पति सहित कई पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज

## बिल्हौर में विवाहिता की संदिग्ध मौत का मामला

» मायके पक्ष ने लगाया उत्पीड़न और मारपीट का गंभीर आरोप, पुलिस ने आगे की जांच तेज की।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

**बिल्हौर (कानपुर)। बैड़ी अलीपुर में विवाहिता मोनी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। मृतका के पिता राजकिशोर बाजपेयी द्वारा दी गई तहरीर के बाद पुलिस ने पति सत्यप्रकाश पाण्डेय सहित ससुराल पक्ष के कई लोगों पर आत्महत्या के लिए उकसाने सहित गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। पिता ने**

तहरीर में आरोप लगाया गया था कि मोनी को लंबे समय से पति और उसके परिजन मायके से रुपये लाने के लिए प्रताड़ित करते थे। बताया गया कि फरवरी माह में सत्यप्रकाश की पहली पत्नी से हुई दूसरी बेटी की शादी तय है, जिसके लिए ससुरालीजन लगातार मोनी पर भारी भरकम रकम लाने का दबाव बना रहे थे। इसी उत्पीड़न से परेशान होकर मोनी की मौत हुई। पीड़ित पिता का कहना है कि 20 नवंबर 2025 को रुपये न देने पर ससुरालीजनों ने मोनी के साथ मारपीट की और प्रताड़ना का क्रम बढ़ता गया, जिसके चलते उसने चरम कदम उठा लिया। मायके पक्ष के मुताबिक, ससुरालवालों ने घटना की जानकारी भी छिपाई और जल्दबाजी में अंतिम संस्कार कर दिया।

### कोतवाली पुलिस की कार्रवाई

इस संबंध में कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने बताया कि प्रार्थी द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पति और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों के विरुद्ध आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

### तह तक जाएगी जांच

जानकारी में आया है कि पुलिस मृतका का मोबाइल रिकार्ड खंगाल रही है। पड़ोसियों से लेकर रिश्तेदारों तक सभी के बयान लिये जा रहे हैं। परिवार के अंदर चल रहे विवाद को भी जांच का अहम आधार माना जा रहा है। घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है। जबकि मायके पक्ष ने साफ कहा है कि निष्पक्ष जांच हो और दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा न जाए।

## सम्पादकीय

# धनी देशों की तंगदिली से बढ़ेगी मृत्यु दर

इस सदी के ढाई दशक में बाल मृत्यु दर घटने को दुनिया की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया गया था, लेकिन अब इस सदी में पहली बार बाल मृत्यु दर में वृद्धि की आशंका जतायी जा रही है। गेट्स फाउंडेशन की रिपोर्ट बताती है दुनिया भले ही अमीर हो गई है लेकिन गरीब देशों के बच्चों पर होने वाला खर्च घटा दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, धनी देशों द्वारा वैश्विक स्वास्थ्य खर्च पर 27 फीसदी की कटौती की गई है। जिससे इस वर्ष दो लाख अतिरिक्त बच्चों की मौत की आशंका जतायी जा रही है। दरअसल, ये मौतें उन बीमारियों से हो सकती हैं, जिन्हें अमीर देशों से मिलने वाली मदद से होने वाले टीकाकरण और बुनियादी इलाज से टाला जा सकता था। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चिंतित हैं कि जिस समय दुनिया में संपत्ति सबसे तेजी से बढ़ रही है, उस समय गरीब देशों के बच्चों पर स्वास्थ्य खर्च का घट जाना दुर्भाग्यपूर्ण ही है।

विडंबना देखिए कि इस आसन्न संकट को नजरअंदाज करके विकसित देश अपने रक्षा व आंतरिक खर्च को बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। जबकि अमीर देशों द्वारा गरीब मुल्कों के बच्चों के स्वास्थ्य के लिये दिया जाने वाला पैसा उनके बजट के एक फीसदी से भी कम है। गेट्स फाउंडेशन का विश्व के अमीर देशों से आग्रह है कि वे दुर्लभ संसाधनों को उन स्थानों पर लक्षित करें, जहां वे सबसे अधिक जीवन बचा सकते हैं। दरअसल, संकट में वे बच्चे हैं, जो अपना पांचवां जन्मदिन मनाने से पहले ही मृत्यु का ग्रास बन जाते हैं। इस संकट बढ़ने से दशकों से हासिल वैश्विक प्रगति बेकार हो जाएगी। निस्संदेह, दुनिया में कहीं भी पैदा हुए बच्चे को जीवित रहने और फलने-फूलने का अवसर मिलना चाहिए।

दरअसल, गेट्स फाउंडेशन की गोलकीपर्स रिपोर्ट और वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मैट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन ने बताया कि 2024 में, 4.6 मिलियन बच्चों की पांचवें जन्मदिन से पहले मौत हो गई थी। आशंका है कि आर्थिक मदद में कटौती से इस वर्ष इस संख्या में दो लाख की वृद्धि से इसके बढ़कर 4.8 मिलियन बच्चों तक पहुंचने की आशंका है। जिसकी मूल वजह स्वास्थ्य के लिये वैश्विक मदद में आई बड़ी गिरावट है।

इस वर्ष सहायता निधि में भारी कटौती के अलावा गरीब देशों के बढ़ते कर्ज, कमजोर स्वास्थ्य सिस्टम के चलते मलेरिया, एचआईवी और पोलियो जैसी बीमारियों के विरुद्ध हासिल उपलब्धियों को खोने का जोखिम बढ़ सकता है। हालिया रिपोर्ट बताती है कैसे प्रमाणित समाधानों और अगली पीढ़ी के नवाचारों में लक्षित निवेश से सीमित बजट में लाखों बच्चों का जीवन बचाया जा सकता है। निस्संदेह, गरीब मुल्कों के ये बच्चे सुरक्षित जीवन पाने के हकदार हैं। गेट्स फाउंडेशन के अध्यक्ष बिल गेट्स कहते हैं विश्व में गरीब मुल्कों के बच्चों के स्वास्थ्य रक्षा के लिये वित्तीय संसाधन बढ़ाने व वर्तमान सिस्टम में सुधार हेतु दक्षता बढ़ाने की जरूरत है। हमें कम संसाधनों में अधिक काम करना होगा। यदि ऐसा नहीं होता तो हमारी पीढ़ी के दामन पर दाग लगेगा कि मानव इतिहास में सबसे उन्नत विज्ञान और नवाचार की पहुंच के बावजूद हम लाखों बच्चों का जीवन बचाने के लिये धन नहीं जुटा पाए।

# ट्रंप के शांति समझौते को नकार फिर संघर्ष

ज्योति मल्होत्रा

**अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने घोषणा की थी कि उन्होंने थाईलैंड और कंबोडिया के बीच 'ऐतिहासिक' शांति समझौते पर हस्ताक्षर करवा दिये हैं। ट्रम्प ने उसे आधार बनाकर नोबेल शांति पुरस्कार की दावेदारी ठोक दी। अब इसका मज़ाक़ बनना शुरू हो...अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने घोषणा की थी कि उन्होंने थाईलैंड और कंबोडिया के बीच 'ऐतिहासिक' शांति समझौते पर हस्ताक्षर करवा दिये हैं। ट्रम्प ने उसे आधार बनाकर नोबेल शांति पुरस्कार की दावेदारी ठोक दी। अब इसका मज़ाक़ बनना शुरू हो चुका है।**

ट्रंप ने जिस युद्ध विराम के हवाले से नोबेल पीस प्राइज़ पाने की दावेदारी ठोकी थी, वो एक झटके में एक्सपोज़ हो गई है। युद्ध विराम इतनी जल्दी टूट जायेगा, इसकी आशा व्हाइट हॉउस को भी नहीं थी। 8 दिसंबर को फिर से हुई झड़पों के लिए दोनों पक्ष एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहे थे। महीनाभर पहले 10 नवंबर को एक थाई सैनिक के लैंडमाइन से घायल होने के बाद से तनाव बढ़ गया था। कंबोडिया का आरोप है कि वह कई सौ किलोमीटर तक फैली एक साझा सीमा के कई विवादित हिस्सों पर थाई हमले का शिकार है। देश के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, थाई गोलाबारी में सात कंबोडियन नागरिक मारे गए हैं और 20 अन्य घायल हुए हैं। दूसरी ओर बैंकॉक ने नोम पेन्ह पर आरोप लगाया है, कि व्हाइट हाउस द्वारा खून-खराबा रोकने की चेतावनी के बावजूद उसने बॉर्डर पार रॉकेट हमले किए।

कंबोडिया की सीमा कुल तीन देशों से मिलती है। पश्चिम और उत्तर में थाईलैंड है, तो उत्तर में लाओस स्थित है। पूर्व और दक्षिण पूर्व में वियतनाम है तो दक्षिण में कंबोडिया की सीमा थाईलैंड की खाड़ी से मिलती है। 9 नवंबर, 1953 को फ्रांस ने कंबोडिया को आजाद कर दिया। वर्ष 1863 से 1953 के कालखंड में कंबोडिया पर फ्रांस के कब्ज़े के दौरान ही थाईलैंड (जिसे उस समय सियाम कहा जाता था) के साथ कंबोडिया की सीमाएं तय की गई थीं, विशेषकर 1907 के सीमा निर्धारण में, जिससे कई विवादित क्षेत्र बने, उनमें से एक है प्रीह विहियर मंदिर, जो आज भी दोनों देशों के बीच तनाव का कारण है। प्रीह विहियर मंदिर पर थाई-कंबोडियाई क्षेत्रीय विवाद 2008 में भड़क गया, जब थाई सरकार ने एक संयुक्त विज्ञप्ति पर सह-हस्ताक्षर किया, जिसने मंदिर को विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूचीबद्ध करने के लिए यूनेस्को को कंबोडिया के अनुरोध का समर्थन किया। इस कदम से थाईलैंड में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और यहां तक कि 2008 से 2011 की अवधि में दोनों देशों के बीच सशस्त्र झड़पें भी हुईं।

इस साल अक्तूबर तक थाई-कम्बोडिया के बीच फुल स्केल वॉर में 40 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, और लगभग 40 हज़ार से अधिक लोगों को विस्थापित होना पड़ा। विवाद से निपटारे के लिए द्विपक्षीय वार्ता विफल रही। आसियान द्वारा मध्यस्थता और शांति स्थापना प्रयासों के साथ भी यही हुआ। फिर आसियान सम्मेलन के दौरान 25 अक्तूबर, 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने घोषणा की थी कि उन्होंने थाईलैंड और कंबोडिया के बीच 'ऐतिहासिक' शांति समझौते पर हस्ताक्षर करवा दिये हैं। ट्रम्प ने उसे आधार बनाकर नोबेल शांति पुरस्कार की दावेदारी ठोक दी। अब इसका मज़ाक़ बनना शुरू हो चुका है। अब सवाल यह है, क्या ट्रंप केवल शांति समझौता का क्रेडिट लेने की जल्दी में थे? क्या उन्हें समस्या की तह तक नहीं जाना चाहिए था? ट्रंप इसी तरह शांति स्थापना की सतही घोषणा भारत-पाकिस्तान के सन्दर्भ में करते रहे हैं। यूक्रेन-रूस के बीच शांति प्रयासों का मज़ाक़ अलग बन रहा है। ट्रंप की तथाकथित शांति स्थापना से ग़ज़ा में शांति नहीं दिख रही। विश्लेषकों का कहना है कि युद्धविराम के बाद से गाजा में इस्राइल द्वारा फलस्तीनियों की हत्या की दर धीमी हो गई है, लेकिन युद्ध जारी है।

# एआई के साथ इंसानी हकों को नयी दिशा

विश्व मानवाधिकार दिवस

ज्वाला सिंह दास

**एआई तकनीक जीवन के सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परिवर्तन ला रही है। वहीं मानवाधिकारों की भी नई परिभाषा गढ़ रही है। यदि एआई को नैतिकता, पारदर्शिता और संवेदनाओं के साथ विकसित किया जाए तो यह मानवाधिकारों के इतिहास का स्वर्णकाल सिद्ध हो सकता है।दस दिसंबर, 1948 को संयुक्त राष्ट्र ने 'मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा' को अपनाया, जो यह सिद्धांत प्रस्तुत करती है कि मनुष्य केवल शारीरिक प्राणी नहीं, बल्कि विवेक, गरिमा, स्वतंत्रता और समानता से युक्त चेतन अस्तित्व है। इस घोषणा ने मानवता को उसके बुनियादी अधिकारों का अहसास दिलाया और साथ ही यह विश्वास जगाया कि मानव गरिमा सर्वोपरि है।**

इसने वैश्विक व्यवस्था को नैतिक दिशा दी और सभ्यता को मानवीय आधार प्रदान किया। आज दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के द्वार पर खड़ी है। यदि औद्योगिक क्रांति ने काम, उत्पादन और शक्ति-संतुलन को बदला था तो एआई उस परिवर्तन से भी आगे बढ़कर मानव मस्तिष्क के साथ मशीन की क्षमता का संगम प्रस्तुत कर रही है। यह युग केवल स्वचालन या कंप्यूटेशन का दौर नहीं है, यह मानव सभ्यता के लिए अपनी नियति के पुनर्लेखन का अवसर है। तकनीक अब केवल उपकरण नहीं रही, वह विचार, निर्णय, ज्ञान और शासन के केंद्र में प्रवेश कर चुकी है। मानवाधिकारों के संदर्भ में एआई के आगमन ने एक महत्वपूर्ण विमर्श को जन्म दिया है। अब मानवाधिकारों की

रक्षा केवल न्यायालयों, घोषणाओं, आंदोलनों और संविधानों की जिम्मेदारी नहीं रह गई, बल्कि यह डिजिटल व्यवहार, एल्गोरिद्मिक निर्णय और डेटा-चालित नीतियों की वास्तविक परीक्षा बन चुकी है। आश्चर्यजनक किंतु प्रेरक तथ्य यह है कि यदि एआई को नैतिकता, पारदर्शिता और मानवीय संवेदनाओं के साथ विकसित किया जाए तो यह मानवाधिकारों के इतिहास का स्वर्णकाल सिद्ध हो सकता है। न्याय व्यवस्था में इसका उपयोग केवल तकनीकी प्रयोग नहीं, बल्कि मानव गरिमा की सुरक्षा का नया आयाम है।

स्वास्थ्य जगत में एआई का योगदान मानवाधिकारों की प्रकृति को बदलने की क्षमता रखता है। दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सा सहायता, रोगों की शीघ्र पहचान, व्यक्तिगत उपचार पद्धति और आपात स्थितियों में तेज निर्णय, ये सब केवल तकनीकी उपलब्धियां नहीं, बल्कि जीवन के अधिकार की प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति हैं। जब मशीनें रोग के पैटर्न पहचानकर डॉक्टरों को निर्णय लेने में सहायता करती हैं, तब मानव जीवन अधिक सुरक्षित, अधिक संरक्षित और अधिक सम्माननीय बनता है। शिक्षा के क्षेत्र में भी एआई मानवाधिकारों की नई परिभाषा गढ़ रही है। शिक्षा अब एक-सा मॉडल नहीं रही, वह व्यक्तिगत बन रही है। प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमता, रुचि और सीखने की गति के अनुसार ज्ञान-संरचना बन रही है। यह समानता का वह रूप है, जिसकी कल्पना समाज सुधारकों ने सदियों पहले की थी—ऐसी शिक्षा, जिसमें कोई पीछे न रह जाए।

मनुष्य अब केवल सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पहचान तक सीमित नहीं है, उसकी एक डिजिटल पहचान भी है। यह पहचान, यह डेटा अब उसकी प्रतिष्ठा, निजता और स्वतंत्रता का हिस्सा है। इसे सुरक्षित रखना, इसका दुरुपयोग रोकना और डेटा पर नियंत्रण का अधिकार देना अब आधुनिक मानवाधिकारों का अनिवार्य तत्व है। यदि डिजिटल गरिमा सुरक्षित नहीं, तो संपूर्ण मानवीय गरिमा अधूरी है। एआई की शक्ति का दूसरा आयाम इसकी सीखने और निर्णय लेने की क्षमता है, परंतु निर्णय वहीं तक उचित हैं, जहां तक वे मानवीय मूल्यों से नियंत्रित रहें। इसलिए विश्वभर में 'नैतिक एआई' की अवधारणा उभर रही है। यह परिवर्तन इसलिए महत्वपूर्ण है कि तकनीक अब केवल कार्य-निष्पादन नहीं करती,।

# दबंगों ने युवक पर बरसाई लाठियां, तमंचा दिखाकर दी धमकी

» पुरानी रंजिश में घात लगाकर हमला, गंभीर हालत में युवक सीएचसी कल्याणपुर में भर्ती

» वीडियो वायरल होने के बाद तीन आरोपी नामजद, पनकी पुलिस ने शुरू की कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।पुरानी रंजिश को लेकर तीन युवकों ने एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। पनकी के शांति नगर में हुए इस हमले का 2 मिनट 24 सेकंड का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एक आरोपी कमर से तमंचा निकालकर पीड़ित को धमकाता है और उसके बाद 19 डंडे मारते हुए दिखाई देता है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। स्वराज इंडिया वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

गोविंद नगर के दबौली पश्चिम निवासी नेहा सैनी ने पनकी थाने में तहरीर देते हुए बताया कि उनका भाई मोनू (32) किसी काम से शांति नगर नहर के पास गया था। तभी वहां पहले से घात लगाए बैठे सत्यम उर्फ नन्कू, सुनील और मुकेश ने उसे घेर लिया और गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से हमला शुरू कर दिया। आरोपियों ने सिर और मुंह पर कई वार किए, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा।इसी दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में साफ दिखता है कि एक दबंग असलहा निकालकर पीड़ित को धमकाता है और फिर बेरहमी से डंडे बरसाता है। मौके पर कई अन्य लोग भी मौजूद थे, लेकिन कोई बचाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया।हमले की सूचना मिलते ही पनकी पुलिस मौके पर पहुंची और घायल मोनू को छ।ष्ट कल्याणपुर में भर्ती कराया। पनकी थाना प्रभारी मनोज भदौरिया ने बताया कि वायरल वीडियो और पीड़ित की बहन की तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम दबंगों की तलाश में दबिश दे रही है और जल्द ही गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी।

# सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मूसानगर कस्बे के पास एक अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।राहगीरों ने घायलों को पुखरायां सीएचसी में भर्ती कराया।जहां पर एक युवक को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।कानपुर नगर के थाना रेउना स्थित मिलकिनपुर निवासी अजीत ने बताया कि वह मंगलवार को मिथुन के साथ बाइक से मूसानगर बाजार करने गए थे।देर शाम वापस लौटते समय एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।हादसे के बाद वाहन चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद राहगीरों ने उन्हें निजी वाहन से अस्पताल में भर्ती कराया।जहां मौजूद चिकित्सक ने मिथुन की हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

# रुई की आड़ में शराब तस्करी का हुआ भंडाफोड़

» जीएसटी विभाग ने चेकिंग में पकड़ा ट्रक, पंजाब से ओडिशा जा रही थी शराब

» गुरुदेव चौकी में शराब पार्टी करते मिले चौकी प्रभारी और दरोगा सस्पेंड

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। मंगलवार को जीएसटी विभाग की टीम ने चेकिंग अभियान के दौरान एक ट्रक से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की। तस्करों ने पुलिस और विभागीय कार्रवाई से बचने के लिए शराब को रुई की गांठों में छिपा रखा था।

जिला आबकारी अधिकारी राजेश सिंह ने बताया कि ट्रक से पंजाब से ओडिशा ले जाई जा रही विभिन्न ब्रांडों की 853 पेटी शराब बरामद की गई है। बरामदगी की सूचना तत्काल आबकारी विभाग को दी गई, जिसके बाद कल्याणपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। उधर, पुलिस विभाग में भी मंगलवार रात बड़ा एक्शन हुआ। रावतपुर क्षेत्र के गुरुदेव पुलिस चौकी में शराब सेवन की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। एडीसीपी पश्चिम कपिल देव सिंह ने देर रात चौकी का निरीक्षण किया तो चौकी प्रभारी लोकेश पटेल और दरोगा निखिल सिंह मेज पर शराब रखकर पीते हुए पाए गए। मौके पर फटकार लगाते हुए रिपोर्ट तैयार की गई और डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी को भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर डीसीपी ने दोनों पुलिसकर्मियों को तत्काल निलंबित कर दिया।

# सिस्टम में फंसकर दम तोड़ते मानवाधिकार, जूझते पैरोकार

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» मानवाधिकारों की रक्षक पुलिस की चौखट पर हर दिन संवेदनहीनता से मानवीय गरिमा को पंहुचाई जाती चोट, हकों पर पर्दा डाल हुक्मरान करते अधिकारों पर कुठाराघात

» कहने को लोकतंत्र लेकिन हर दिन सरकारी मशीनरी में पिसती मानवाधिकारों के नैतिक मूल्यों की संवेदनाएं, बेबसी और लाचारी में ठिठकते लोग

**कानपुर। 10 दिसंबर को पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि हर इंसान को बिना किसी भेदभाव के समानता के साथ जीने, बोलने, सोचने और गरिमापूर्ण जीवन में सम्मान के साथ जीने का अधिकार है। लेकिन अफसोस कि मानवाधिकारों के रक्षकों पर इसकी रक्षा का जिम्मा है उनकी ही देहरी पर इंशानी हकूक दम तोड़ते नजर आते हैं। पुलिस के शीर्ष अफसरों के दफ्तर में मानवाधिकारों के प्रति संवेदनहीनता ऐसी दिखेगी कि देश का लोकतंत्र शर्मशार हो जाए। पिछले दिनों आपके अपने दैनिक स्वराज इंडिया ने ऐसी संवेदनहीन तस्वीरों पर पब्लिक के उवाच जाहिर किए थे जहां व्यक्ति की गरिमा लोकतंत्र का मजाक उड़ाती दिखती है। पुलिस कमिश्नर कानपुर के समक्ष बुजुर्ग महिला खड़ी खड़ी अपना दुख बयां करती है वहीं हुक्मरान बैठे राजशाही का एहसास लिए दिखते हैं। बरेली डीआईजी साहनी के दफ्तर में महिला फरियादी की चौतरफा फोटो ऐसे खींची जाती है जैसे यहां जनसुनवाई नहीं किसी फिल्मांकन की शूटिंग चल रही हो।**

कन्नौज एसपी बिनोद कुमार का दफ्तर मानों फरियादियों के लिए राजदरबार हो। आए दिन सरकारी हुक्मरानों की संवेदनहीनता मानवाधिकरों पर बढ़ते अतिक्रण को दर्शाती दिख जाएगी। हैलट सरीखे सरकारी मशीनरी के अस्पतालों में इलाज के नाम पर मरीजों से ऐसा मजाक तक होता है कि उनके जीवन पर भारी पड़ जाता है।

स्वच्छ हवा, पानी , हवाई यातायात, इंसानी मौत, इलाज और शिक्षा मुद्दों के अलावा कोर्ट में लंबित न्याय के केस भी आज देश की संसद में बहस के मुद्दे नहीं बन पा रहे हैं। मामला केवल सरकारी सिस्टम का ही नहीं है। निजी क्षेत्र हो या समाज के बीच की दशा हो, अमीरी – गरीबी व बेरोजगारी, के बीच की खाई ने सामंतशाही को ऐसा बढ़ावा दिया है जहां पढे लिखों में बदजुबानी

सरकारी कार्यालयों में जनसुनवाई का हाल देखिए

और गिरते नैतिक मूल्यों से मानवीय संवेदनाओं को प्रभावित किया है और इसके साथ इंसानी हुकूक हांफते दिखते हैं। वर्गभेद व स्तर के बीच के अन्तर ने सभी के मानवीय हकों पर प्रहार किया है ।अगर इंसान के अधिकार सुरक्षित नहीं होंगे, तो पूरी सभ्यता प्रभावित हो सकती है। इसके परिणामत: ऐसे खतरे जन्म लेते हैं जो अस्तित्व के चिंता पैदा करने वाले है। इसी खौफनाक सच्चाई ने दुनिया को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि अब इंसानी अधिकारों की सुरक्षा के लिए मानवाधिकारों का संरक्षण जरूरी है.

### 17 सालों से मानवाधिकारों के पैरोकार बन लड़ रहे

कानपुर के कल्याणपुर आवास विकास केशव पुरम निवासी पेशे से इंजीनियर पंकज कुमार सिंह मानवाधिकारों के प्रबल पैरोकार हैं। सामाजिक न्याय, समानता और गरीब वंचितों व महिला सशक्तिकरण की लड़ाई के लिए जाने जाते हैं। वर्ष 2010 में स्कूली छात्रों पर अत्याचार,इंजीनियरिंग संस्थानों में अवैध बसूली, शहर में महिला उत्पीड़न के खिलाफ मुद्दे उठाकर न्याय की आवाज बुलन्द की। अवैध बसूली पर रिलायंस टेलीकॉम के खिलाफ शिकायत कर बसूली राशि वापस हासिल की. वर्ष 2020 में कानपुर पुलिस लाईन बैरक हादसे के मृतक पुरिस कर्मी को 25 लाख मुआवजा दिलाकर पुलिस कर्मियों के मानवाधिकारों की लड़ाई रडकर मिशाल पेश की। वर्ष 2024 में आईआईटी कानपुर में घटित छात्रों की आत्महत्या की घटनाओं पर नेशनल ह्यूमन राईट्स कमीशन में रिट दाखिल कर न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं। पंकज सिंह के सैकड़ों मामले मानवाधिकार संरक्षण की दिशा में नजीर पेश करने वाले और समाज को प्रेरणा दे रहे हैं

इंजीनियर पंकज कुमार सिंह मानवाधिकारों के प्रबल पैरोकार हैं

(अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर विशेष)

# अयोध्या-सुल्तानपुर में बेधड़क पनप रहा अवैध खनन का साम्राज्य!

## खनन, पुलिस और राजस्व विभाग कटघरे में, वायरल वीडियो ने खोल दी पोल

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रूदौली तहसील क्षेत्र के ग्राम सुल्तानपुर (थाना पटरंगा) में अवैध मिट्टी खनन का साम्राज्य बेधड़क पनप रहा है। दिन हो या रात, गांव की गलियों, खेतों और कच्चे रास्तों पर खनन माफिया के ट्रैक्टर-ट्रॉली ऐसे दौड़ते हैं, मानो पूरा इलाका उनकी बपौती हो। इसी बीच अवैध खनन की लाइव तस्वीरें सोशल मीडिया पर धमाके की तरह वायरल हुईं। वीडियो ने न सिर्फ माफियाओं की करतूत उजागर की, बल्कि तीन प्रमुख विभागों खनन, पुलिस और राजस्व को भी सीधे कठघरे में खड़ा कर दिया है। स्वराज इंडिया वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

उक्त प्रकरण में खनन विभाग शिकायतों का अंबार, कार्रवाई 'शून्य' लगातार शिकायतें, लेकिन न मौके पर टीम उतरती है और न ही ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त होती है। सवाल उठ रहे हैं क्या विभाग की चुप्पी किसी अनकही सेटिंग का हिस्सा है? पुलिस विभाग रातभर चलने वाला

ओपन हाईवे रात में भी ट्रैक्टर-ट्रॉली की आवाजाही जारी। न चेकिंग, न रोक-टोक। ग्रामीण तंज कसते हैं पटरंगा में ट्रैक्टर नहीं रुकताज् सिर्फ एफआईआर की उम्मीद रुकती है! राजस्व विभाग कागज़ी खानापूरी का खेल कर रहा है। मौके पर न निरीक्षण, न स्थलीय कार्रवाई। तहसील स्तरीय अफसरों की सुस्ती ने पूरे मामले को इच्छा की कमी बनाम सिस्टम की मिलीभगत की शक्ल दे दी है ।अवैध खनन से गांव की सड़कें जर्जर, खेतों के मेड़ टूटे और धूल का ऐसा कहर कि लोग घर से निकलने में कतराते हैं। ग्रामीणों का आरोप माफिया दिनकर की तरह चमकते हैं, और विभाग रात की तरह गायब! ग्रामीणों की मांग है कि अवैध खनन पर तत्काल रोक लगे। तीनों विभागों के जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई वायरल वीडियो के आधार पर उच्चस्तरीय जांच हो ट्रैक्टर-ट्रॉली संचालन पर फील्ड लेवल निगरानी हो। अब लोगों का सवाल यह है कि क्या कार्रवाई होगी या खामोशी का खेल जारी रहेगा? अवैध खनन का यह वीडियो सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की सतर्कता और ईमानदारी की असली परीक्षा है। अब देखने वाली बात यह है कि प्रशासन वीडियो में दिखी सच्चाई देखेगा या आंखों पर वही पुराना सरकारी पर्दा डालकर आगे बढ़ जाएगा। सुल्तानपुर का दर्द अब छिपेगा नहीं क्योंकि अवैध खनन की यह कहानी अपनी मिट्टी के साथ सिस्टम की पोल भी उधेड़ रही है।

# जनसेवा केंद्र की यूपीआई आईडी से साइबर ठगों ने निकाले रुपए, अरेस्ट

» जनसेवा केंद्र संचालक जितेंद्र कुमार यादव ने दर्ज कराई थी एफआईआर

» जिले में साइबर फ्रॉड ने फैला रखा है अपना बड़ा जाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**कानपुर देहात। जिले में साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अकबरपुर पुलिस ने 15,000 रुपये ईनामी वांछित साइबर अपराधी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है।शिकायतकर्ता जितेन्द्र कुमार यादव, निवासी कस्बा अकबरपुर, ने बताया कि तहसील के सामने उसका जनसेवा केंद्र संचालित है।**

10 सितम्बर 2025 को वीरेन्द्र कुमार और उसके साथियों—अखिलेश सिंह, देवेन्द्र प्रताप, अनुज सिंह और मदरेश सिंह—द्वारा सरकारी आवास दिलाने और अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर कई लोगों से ठगी की गई। ठगे गए रुपये शिकायतकर्ता के जनसेवा केंद्र के यूपीआई के माध्यम से डलवाकर आरोपी नगद ले जाते थे। जितेंद्र यादव ने बताया था कि जब इसकी जानकारी हुई तो मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना साइबर क्राइम में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की मांग की । स्थानीय पुलिस ने बताया कि पहले चारों आरोपी—अखिलेश सिंह चौहान, अनुज सिंह, देवेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ गौरे और मदरेश—को 30 नवम्बर 2025 को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका था, जबकि मुख्य आरोपी वीरेन्द्र सिंह फरार चल रहा था।

8 दिसम्बर 2025 को मुखबिर की पुख्ता सूचना पर साइबर क्राइम टीम ने 15,000 रुपये ईनामी आरोपी वीरेन्द्र सिंह, निवासी बलरामपुर कंचौसी थाना मंगलपुर, को दबोच लिया। उसके पास से मोबाइल फोन, सिम, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड सहित ठगी में प्रयुक्त सामग्री बरामद की गई।

गिरफ्तार आरोपी को पुलिस ने 9 दिसम्बर 2025 को जेल भेज दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से साइबर ठगी गिरोह पर बड़ा शिकंजा कसा है।

## दहेज के लिए विवाहिता से मारपीट,तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के अमौली गांव में दहेज के लिए एक विवाहिता को मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की शिकायत पर पति समेत तीन के खिलाफ दहेज प्रताडना मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई है ।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अमौली निवासी शम्मो देवी ने पुलिस को दिए गए शिकायती प्रार्थना पत्र में बताया कि उनकी बेटी अस्मिन का विवाह वर्ष 2023 में औरैया जिले के दिबियापुर थाना क्षेत्र के बरके पुरवा निवासी जिब्रील से हुआ था ।शादी के कुछ समय बाद से ही ससुरालवालों ने अस्मिन से दो लाख रुपए दहेज की मांग करते हुए उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया ।शम्मों देवी के मुताबिक उन्होंने रिश्तेदारों के माध्यम से दामाद जिब्रील,ससुर जहूर और सास नजमा को समझाने बुझाने का प्रयास किया परन्तु ससुराल वालों ने अस्मिन का उत्पीड़न बंद नहीं किया ।30 अक्टूबर को अस्मिन के साथ मारपीट की गई। जिसके बाद उसे उपचार के लिए अमौली अस्पताल में भर्ती कराया गया। थानाध्यक्ष अमित शुक्ला ने बताया कि पति समेत तीन के खिलाफ दहेज के लिए मारपीट और धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

## बैरगरा गांव में अम्बेडकर प्रतिमा स्थापित करने पर रिपोर्ट दर्ज

### ग्रामीणों की सहमति से प्रशासन ने हटवाई प्रतिमा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद कोतवाली क्षेत्र के बैरगरा गांव में ग्राम सभा की भूमि पर अवैध रूप से डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित किए जाने के बाद मौके पर पुलिस प्रशासन ने प्रतिमा हटवाई। जबकि क्षेत्रीय लेखपाल की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

सोमवार को कोतवाली रसूलाबाद में लेखपाल राधेश्याम द्वारा पुलिस से की गई शिकायत में कहा गया कि ग्राम बैरगरा स्थित गाटा संख्या 995 (0.0359 हेक्टेयर) भूमि राजस्व अभिलेखों में ग्राम सभा के रूप में दर्ज है।

उक्त भूमि पर लगभग 7 वर्ष पूर्व डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा लगाने के उद्देश्य से ईंटों का फाउंडेशन बनाया गया था लेकिन प्रशासन द्वारा प्रतिमा लगाने पर रोक लगी हुई थी। लेखपाल ने बताया कि उक्त प्रतिमा गांव निवासी कनौजीलाल पुत्र चेतराम के यहां रखी थी। जिसे 7 दिसंबर को कनौजी लाल द्वारा गांव के कोटेदार हरगोविंद सिंह की सह पर साजिश के तहत पूर्व निर्मित फाउंडेशन पर स्थापित कर दिया गया।

मामले में पुलिस ने कनौजीलाल व कोटेदार हरगोविंद सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

मामले की जानकारी मिलने अपर जिलाधिकारी अमित कुमार,एएसपी राजेश पाण्डेय ,उपजिलाधिकारी सर्वेश कुमार सिंह, कोतवाल सतीश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों से वार्ता की।

वहीं मंगलवार शाम करीब 4 बजे पुलिस व प्रशासन की मौजूदगी में ग्रामीणों ने आपसी सहमति से प्रतिमा को मौके से हटवा दिया है।

## स्कूटी सवार युवक की बिगड़ी तबियत, मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के मुगल रोड पर गौर गांव के पास मंगलवार को एक स्कूटी सवार युवक की अचानक तबियत बिगड़ जाने से मौत हो गई। मृतक की पहचान औरैया जिले के दिबियापुर क्षेत्र स्थित कहिंजरी गांव निवासी रामेश्वर के 35 वर्षीय पुत्र अशोक कुमार के रूप में हुई है। वह अपने चचेरे भाई अजय कुमार के साथ हमीरपुर से अपने गांव जा रहा था ।घटना मुगल रोड पर गौर गांव के पास हुई जब भोगनीपुर की ओर आते समय अशोक की हालत बिगड़ गई ।राहगीरों की मदद से उसे उपचार के लिए पुखरायां सीएचसी में भर्ती कराया गया ।जहां मौजूद चिकित्सक ने परीक्षण उपरांत मृत घोषित कर दिया ।मृतक के चचेरे भाई अजय कुमार ने बताया कि वे दोनों हमीरपुर में एक निजी कंपनी में काम करते थे। अशोक की मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। प्रभारी निरीक्षक अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

घोटाला

## ग्राम पंचायत हसनापुर

# कानपुर देहात: तत्कालीन ग्राम सचिव आशिका प्रधान ने किया बंटाधार

» खडंजा, नाली निर्माण और साफ़-सफाई के नाम पर हुआ लाखों का खेल

» हसनापुर ग्राम पंचायत में सरकारी धन के बड़े घोटाले की खुली परतें

» जिम्मेदारों पर कार्रवाई की उठी मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर ब्लॉक की हसनापुर ग्राम पंचायत में सरकारी निधि के बड़े खेल का खुलासा होने से ग्रामीणों में खलबली मची है।ग्राम पंचायत से जुड़े कई बिल-वाउचर एवं भुगतान के स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। इनमें वर्ष 2022 से 2024 के बीच हुए भुगतान में गंभीर गड़बड़ियों की बात सामने आई है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान राम सिंह यादव ने विकास कार्यों के नाम पर सरकारी धन को अपने ही खाते तथा अपने रिश्तेदारों के खातों में भेजकर बड़ा खेल किया है। इनपुट के अनुसार 1 जून 2023 को ग्राम प्रधान के व्यक्तिगत खाते में साफ-सफाई के नाम पर 21,500 का भुगतान।

FOLLOW UP

6 अगस्त 2023 को प्राथमिक विद्यालय ठकुरनगढ़ेवा में शौचालय निर्माण के लिए ?17,410 ग्राम प्रधान के खाते में ट्रांसफर। 31 दिसम्बर 2022 को जगद सिंह के घर से मेवालाल के घर तक इंटरलॉकिंग निर्माण के लिए ?29,930 प्रधान के खाते में भेजे जाने का आरोप ।6 अगस्त 2023 को हैंडपंप मरम्मत के नाम पर ?5,400 का भुगतान। इनके अलावा अन्य कई भुगतान नाते-रिश्तेदारों के खातों में भेजे जाने के आरोप गंभीर रूप से सामने आए हैं।

स्वराज इंडिया | आसपास | 07

कानपुर देहात : ग्राम प्रधान ने 'लूट' ली ग्राम सभा की विकास निधि

भ्रष्टाचार

स्वराज इंडिया ने किया था भ्रष्टाचार का खुलासा

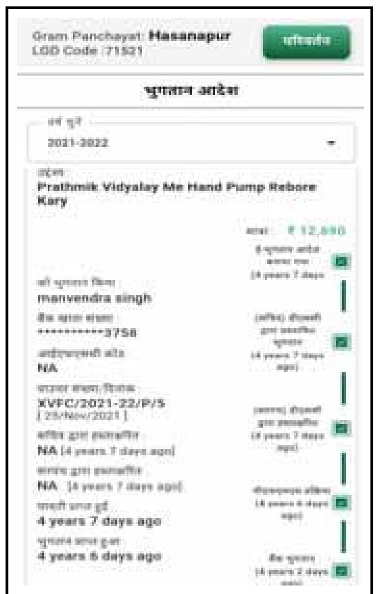
Gram Panchayat: Hasanapur
LGD Code :71521

भुगतान आदेश

2021-2022

Prathmik Vidyalay Me Hand Pump Rebore Kary

₹ 12,690

manvendra singh

***********3758

NA

XVFC/2021-22/P/5
[ 25/Nov/2021 ]

NA (4 years 7 days ago)

NA (4 years 7 days ago)

4 years 7 days ago

4 years 6 days ago

ग्राम प्रधान के लड़के के नाम निकला भुगतान

Gram Panchayat: Hasanapur
LGD Code :71521

भुगतान आदेश

2022-2023

Pappu To Bhagwandeen Ke Ghar Tak Inter Locking Nirman Kary Hetu Bhugtan

ANIL KUMAR

**************9324

NA

XVFC/2022-23/P/8
[ 01/Aug/2022 ]

NA (3 years 4 mons 1 day ago)

NA (3 years 4 mons 1 day ago)

3 years 4 mons 1 day ago

3 years 4 mons 1 day ago

ग्राम प्रधान के भांजे के नाम पर हुआ भुगतान

Gram Panchayat: Hasanapur
LGD Code :71521

भुगतान आदेश

2022-2023

Rampal To Subear Ke Ghar Tak Inter Locking Nirman

akash

***********1133

NA

STHSFC/2022-23/P/7

3 years 6 mons 22 days ago

3 years 6 mons 21 days ago

ग्राम सचिव के करीबी युवक के नाम निकला भुगतान

### रिश्तेदारों के नाम पर भी निकला भुगतान

ग्रामीणों ने बताया कि हसनापुर ग्राम पंचायत की धनराशि निम्न नामों पर भी निकाली गई है—

प्रधान राम सिंह यादव का पुत्र मानवेंद्र सिंह भांजा अनिल कुमार

तत्कालीन ग्राम पंचायत सचिव आशिका का करीबी आकाश

ग्रामीणों का कहना है कि इन नामों पर हजारों रुपये का भुगतान दिखाकर सरकारी धन हड़प लिया गया।

### ग्रामीणों में आक्रोश, जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग

गांव के कई लोगों ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि ग्राम प्रधान ने गांव के विकास के बजाय अपनी व्यक्तिगत उन्नति में सरकारी धन खर्च किया। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि अधिकांश कार्य कागजों में दिखाए गए, जबकि जमीनी स्तर पर उनका कहीं अता-पता नहीं है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे भुगतान की स्वतंत्र जांच कराई जाए, अनियमितता पाए जाने पर सरकारी धन की वसूली की जाए,और दोषियों पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई करते हुए मामले को उदाहरण बनाया जाए। हसनापुर ग्राम पंचायत में सामने आए इस बड़े घोटाले से क्षेत्र में भारी चर्चा है। अब ग्रामीणों की निगाहें जिला प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं कि क्या इस बार भी मामले को दबाया जाएगा या फिर दोषी जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई होगी।

## गजनेर थाने में कांस्टेबल अंकुर अहलावत को सम्मान से विदाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। गजनेर थाने के कांस्टेबल अंकुर अहलावत के शिवली थाने स्थानांतरण

पर समाजसेवकों द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समाजसेवक शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में पहुंची टीम ने कांस्टेबल अहलावत को माला पहनाकर सम्मानित किया। उपस्थित जनों ने कहा कि अहलावत ने सदैव संयमित व्यवहार रखते हुए

जन सहयोग को सुदृढ़ किया है। समारोह के अंत में उपस्थित सभी जनों ने उनके उज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं व्यक्त की।

## स्थाई मजदूर मंडी की मांग तेज, उप जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

सचान गेस्ट हाउस के सामने नगर पालिका की जमीन पर अस्थायी मंडी बनाने का प्रस्ताव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। घाटमपुर में वर्षों से नगर पालिका रोड स्थित तिराहे पर लग रही लेबर मंडी को सुरक्षित और व्यवस्थित स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग उठी है। समाजसेवी चन्द्रवीर सिंह ने इस संबंध में उपजिलाधिकारी घाटमपुर को एक प्रार्थना पत्र सौंपकर नगर पालिका की खाली पड़ी जमीन जो सचान गेस्ट हाउस के सामने स्थित है पर अस्थायी लेबर मंडी विकसित करने की मांग की है।

ज्ञात हो कि तिराहे के पास लेबर मंडी लगने से लगातार जाम की समस्या रहती है। आबादी बढ़ने और विकास कार्यों के चलते जगह की कमी होने लगी है, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। वहीं, अभी तक नगर में लेबर मंडी के लिए किसी स्थान का औपचारिक चिन्हांकन नहीं किया गया है, जहाँ श्रमिकों को पेयजल, शौचालय और मौसम से बचाव के लिए टीन शेड जैसी बुनियादी सुविधाएँ मिल सकें। समाजसेवी चन्द्रवीर सिंह ने प्रार्थना पत्र में कहा कि नगर पालिका की खाली जगह पर टीन शेड, पेयजल और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएँ कर दी जाएँ, तो श्रमिकों को सुरक्षित स्थान के साथ रोजगार भी सुगमता से मिल सकेगा। साथ ही, नगर पालिका रोड पर लगने वाला जाम भी कम होगा और राहगीरों को राहत मिलेगी।

## साइबर ठगी करने वाला 15 हजार रूपये इनामी गिरफ्तार

» बदमाश के पास से मिला फ्रॉड का सामान, सरकारी आवास का लालच देकर फंसाते थे

कानपुर देहात। कानपुर देहात पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 15 हजार के इनामी साइबर अपराधी वीरेन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया है। एसओजी टीम, साइबर क्राइम और अकबरपुर पुलिस ने मिलकर यह गिरफ्तारी की। अभियुक्त वीरेन्द्र सिंह लोगों को सरकारी आवास दिलाने का झांसा देता था और अश्लील फिल्म से जुड़े अपराध की धमकी देकर उनसे पैसे ठग लेता था।

पुलिस के अनुसार, वीरेन्द्र सिंह पहले से ही दर्ज एक फॉड के मामले में फरार चल रहा था। पुलिस ने उसके पास से दो मोबाइल फोन, तीन एटीएम कार्ड, छह आधार कार्ड और छह सिम कार्ड रैपर बरामद किए हैं। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के सामने पेश किया गया है। उसके साथी मान सिंह की तलाश जारी की गई है।

पंडित देवीदीन पाण्डेय की अदम्य वीरगाथा, 700 मुग़लों को अपने हाथों से मार गिराया

# उपेक्षा की पीड़ा: अब तक नहीं बना स्मारक, न द्वार, न सड़क, न पार्क

## श्रीराम मंदिर के अमर रक्षक

समीर शाही

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**अयोध्या। रामनगरी केवल पूजा-पाठ और आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि वीरता और धर्मरक्षा की पवित्र गाथाओं का धरातल भी है। इन्हीं अमर गाथाओं में एक अत्यंत गौरवपूर्ण, किंतु दुखद रूप से उपेक्षित नाम है श्रीराम मंदिर के रक्षक पंडित देवीदीन पाण्डेय। कहा जाता है कि अयोध्या की रक्षा में हुए भीषण संघर्ष में 1,74,000 हिंदू वीरों ने प्राण न्योछावर किए, और उनमें सबसे अग्रणी थे पंडित देवीदीन, जिन्होंने 700 मुग़लों को स्वयं अपने हाथों से मार गिराया।**

सनेथू गांव के सर्यू-पारीण ब्राह्मण पंडित देवीदीन मूलत- एक कर्मकांडी पुरोहित थे। पर जब मीर बाकी की अगुवाई में मुगल आक्रमणकारी श्रीराम मंदिर को ध्वस्त करने बढ़े, तो उन्होंने पुरोहिताई छोड़कर धर्मरक्षा का शस्त्र उठा लिया। ब्राह्मणों और क्षत्रियों को साथ लेकर पंडित देवीदीन ने वह ऐतिहासिक युद्ध लड़ा, जो आज भी अयोध्या की स्मृतियों में ज्वालामुखी की तरह धधकता है।युद्ध इतना विकराल था कि एक मुग़ल सैनिक की तलवार उनके सिर को दो हिस्सों में लगभग विभाजित कर गई। किंतु इस अदम्य योद्धा ने अपना सिर गमछे से बाँधा और अंतिम सांस तक रणभूमि में मुग़लों का संहार करते रहे। अंतत- वे वीरगति को प्राप्त हुए, पर राममंदिर की रक्षा का दीपक प्रज्वलित कर गए। इतने महान बलिदान के बाद भी सबसे बड़ी विडंबना यह है कि अयोध्या में आज तक पंडित देवीदीन पाण्डेय के नाम पर न कोई द्वार बना, न सडक़, न पार्क, न ही उनकी मूर्ति स्थापित हो सकी। उनके वंशज वर्षों से मांग करते आ रहे हैं, हिंदू संगठन भी आवाज उठा रहे हैं पर रामनगरी अब तक इस अमर योद्धा को वह सम्मान नहीं दे सकी, जिसके वह हकदार हैं।

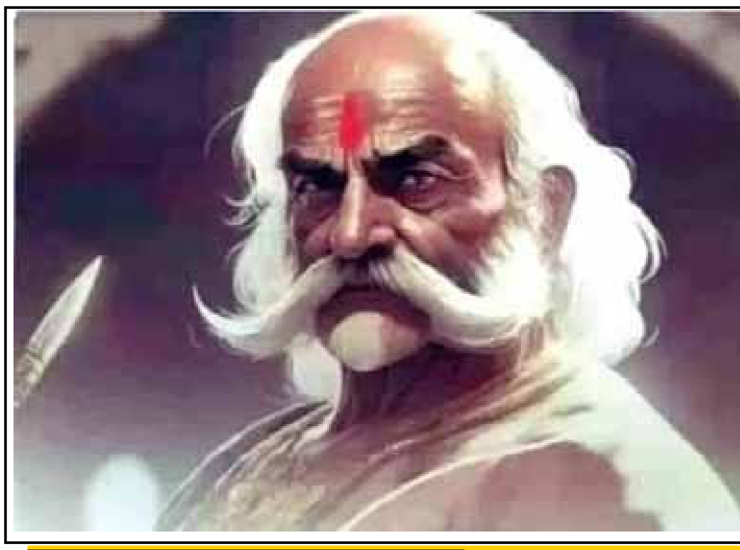

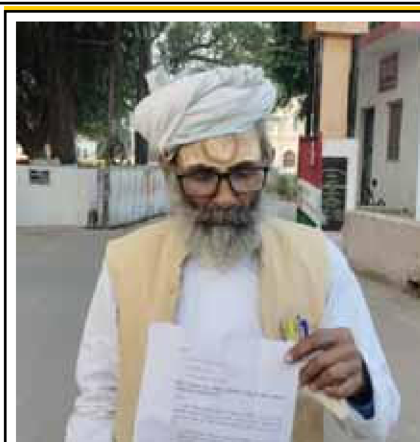

महंत सन्त दास उर्फ राजेश सिंह मानव

**योगी आदित्यनाथ गौ सेवा समिति के संरक्षक महंत संत दास उर्फ राजेश सिंह मानव ने कहा है कि अयोध्या में पंडित देवीदीन पाण्डेय के नाम पर सडक़ का नामकरण हो और उनकी भव्य मूर्ति लगाई जाए। ताकि आने वाली पीढिय़ां इस अद्भुत बलिदानी के साहस और धर्मरक्षा को सदैव स्मरण रख सकें। श्रीराम मंदिर का पुनर्निर्माण एक ऐतिहासिक जीत है किन्तु इस जीत की नींव में जिनके रक्त का ताप है, उनकी स्मृति को संरक्षित करना भी रामनगरी का धारणीय धर्म है।**

## स्टेशन रोड पर इंद्रप्रस्थ बेकरी व स्वीट शॉप का शुभारंभ

» महंत रमेश दास व शहर के प्रमुख व्यवसायी प्रेम सोनी ने किया उद्घाटन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन के पास नए प्रतिष्ठान इंद्रप्रस्थ बेकरी एवं स्वीट शॉप का विधिवत शुभारंभ किया गया। उद्घाटन महंत रमेश दास जी महाराज तथा शहर के प्रमुख व्यवसायी प्रेम सोनी द्वारा फीता काटकर किया गया। उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित लोगों को ताज़े बेक्ड ब्रेड, स्वादिष्ट केक और लजीज मिठाइयों के विविध स्वाद का परिचय कराया गया।

इन्द्रसेन यादव ने कहा कि हम गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के साथ सेवाभाव से ग्राहकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। अंत में इंद्रप्रस्थ परिवार ने सभी से आशीर्वाद और शुभेच्छा की अपेक्षा जताई।

# एक्सप्रेस-वे पर 'गंदी निगरानी' टोल मैनेजर की कैमरा-सिंडिकेट ब्लैकमेलिंग का भंडाफोड़

» यूपी के पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर अश्लील क्लिप से वसूली का खेल खुला

» पीड़ितों ने सीएम योगी आदित्यनाथ व यूपीसीडा से लगाई कार्रवाई की गुहार

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

**अयोध्या। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, जिसे उत्तर प्रदेश सरकार ने विकास और सुरक्षा का प्रतीक बताया था, आज वही एक्सप्रेस-वे एक नए क्राइम करप्शन हब के तौर पर सुर्खियों में है। हलियापुर टोल प्लाजा के एटी ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आत्मस) का असिस्टेंट मैनेजर आशुतोष सरकार एक्सप्रेस-वे पर लगे हाई-रीज़ॉल्यूशन कैमरों को निजी हथियार बनाकर अश्लील क्लिप रिकॉर्डिंग, ब्लैकमेलिंग और वसूली का घिनौना खेल चला रहा था।**

बात दे कि यह सब महीनों से चल रहा था और शिकार थे निर्दोष यात्री, नवविवाहित कपल,गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड, किसान महिलाएं, यहां तक कि रिश्वतखोर पुलिस वाले भी। हालांकि आरोपी असिस्टेंट मैनेजर का कहना है कि यह सब उसे हटाने की साजिश की जा रही है।

## कैमरों को निजी जासूस बना दिया

यूपीडा के जेई प्रभात सिंह कहते हैं मामला बेहद गंभीर है, जांच कराकर कार्रवाई होगी। जबकि लोगों का कहना है कि यह मामला दिखाता है कि कैमरे सुरक्षा नहीं, निजता भंग करने का माध्यम बन गए। सिस्टम कमजोर है। मॉनिटरिंग की कोई सीमा नहीं कोई भी मैनेजर कैमरों को निजी जासूस बना सकता है। कई पीड़ितों ने

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सुल्तानपुर डीएम यूपीडा अफसरों को शिकायत दी है। सबने सबूत भी दिए हैं वीडियो, चैट, वसूली के प्रमाण। अब सारी नजरें सरकार की कार्रवाई पर।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर एक मैनेजर ने दिखा दिया कि कैमरों की दुनिया में सुरक्षा और शोषण की दीवार सिर्फ एक क्लिक की दूरी पर है। यूपी में एक्सप्रेस-वे पर सफर अब सवालों में है क्या आप सच में सुरक्षित हैं? या किसी कंट्रोल रूम में कोई आपकी हर हरकत रिकॉर्ड कर रहा है? वहीं आरोपी असिस्टेंट मैनेजर आशुतोष सरकार ने पत्रकारों से कहा मेरे ही विभाग के साथियों ने मेरी गैर-मौजूदगी में वीडियो रिकॉर्ड किए, फिर वायरल कर दिए। यह सब मुझे हटाने की साजिश के तहत किया गया। यहां के कुछ लोगों ने शिकायत की। जब उससे पूछा गया कि कार में कपल को क्यों फोकस किया, तो उसने कहा-सिक्योरिटी नियमों के मुताबिक यह जरूरी था।

आशुतोष सरकार
आरोपी मैनेजर ( ATMS)

## केस-1: नवविवाहित दंपति से वसूले 32 हजार

25 अक्टूबर को आजमगढ़ से लखनऊ जा रहे एक नए-नवेले शादीशुदा जोड़े ने किमी 93 पर कार रोकी। कैमरों की निगरानी में कपल के निजी पलों को रिकॉर्ड कर लिया गया। इसके बाद मैनेजर आशुतोष मौके पर पहुँचा, कार का दरवाज़ा खुलवाया और बोला 32 हजार नहीं दोगे तो वीडियो वायरल! दंपति ने शर्मिंदगी और बदनामी के डर से पैसे दिए। लेकिन मैनेजर ने वादा तोड़ा और बाद में वीडियो वायरल भी कर दिया।कहानी यहीं खत्म नहीं होती कपल उसका पहला शिकार नहीं था, न आखिरी।

## केस-2: मिल्कीपुर के युवक से 10 हजार की वसूली

यह दो महीने पहले का मामला है मिल्कीपुर का एक युवक गर्लफ्रेंड के साथ कार में था। सीसीटीवी ने क्लिप कैप्चर की मैनेजर पहुंचा-वसूली की-और केस खत्म। यह घटना भी टोल के रिकॉर्ड में कैद है।

## केस-3: पुलिसवालों से रिश्वत की वीडियो से ब्लैकमेल

किमी 144 के पास एक महिला से पुलिसकर्मी सड़क पर वसूली कर रहे थे। मैनेजर ने वह दृश्य रिकॉर्ड कर लिया। फिर पुलिस को धमकाया बीच सड़क का वीडियो है,दो हजार दो, वरना सबको दिखा दूंगा। पुलिस भी मजबूर टुक-टुक पेमेंट। एक ब्लैकमेलर को रोकने की जगह उसी के सामने सरेंडर करती वर्दी! शिकायतों में यह भी सामने आया कि मैनेजर शौच के लिए बाहर जाने वाली महिलाओं,खेतों में काम करती लड़कियों,और गांव की घरेलू गतिविधियों पर भी कैमरे घुमा कर नजर रखता था सीसीटीवी का फोकस जांच में खेतों की ओर पाया गया। यानी एक्सप्रेसवे की सुरक्षा के नाम पर कैमरे ग्रामीण महिलाओं की निजता भेद रहे थे।यह सिर्फ अपराध नहीं नैतिक पतन की पराकाष्ठा है।

प्रशासनिक जांच में यह सामने आया कि आत्मस कैमरों का फोकस कंट्रोल रूम से कहीं भी घुमाया जा सकता है। मैनेजर उसी का फायदा उठाकर अश्लील क्लिप कलेक्शन तैयार करता था। कैमरे हर 2 किमी पर लगे हैं-पूरे 341 किमी का कवरेज। कंट्रोलिंग सीधे हलियापुर टोल प्लाजा से होती है। यानी पूरा सिस्टम एक भ्रष्ट कर्मचारी की उंगलियों पर नाच रहा था।

# रामनगरी की सुरक्षा होगी हाईटेक, प्रमुख स्थलों पर एआई से निगरानी

## 15 एआई कैमरे लगाने की तैयारी, खरीद प्रक्रिया जल्द शुरू होगी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

अयोध्या। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ और संभावित आतंकी खतरों से निपटने के लिए रामनगरी अयोध्या की सुरक्षा व्यवस्था को अत्याधुनिक बनाया जा रहा है। इसी कड़ी में अयोध्या धाम को अब एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) आधारित कैमरों से लैस किया जाएगा, जो भीड़ के भीतर छिपे संदिग्धों की पहचान कर पुलिस को तत्काल अलर्ट भेजेंगे।

अयोध्या मंदिर-मस्जिद विवाद के कारण सदैव संवेदनशील रहा है। राम मंदिर निर्माण के बाद शहर की भीड़ और वीवीआईपी मूवमेंट में निरंतर वृद्धि हुई है, जिसके चलते सुरक्षा तंत्र को फुलप्रूफ करने की आवश्यकता और अधिक महसूस की जा रही है। प्रस्तावित योजना के तहत लता चौक, राम की पैड़ी, अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, हनुमानगढ़ी, कनक भवन, श्रृंगारहाट, साकेत पेट्रोल पंप, पार्किंग क्षेत्र सहित प्रमुख स्थानों का सर्वे किया जा रहा है। प्रथम चरण में लगभग 15 एआई कैमरे लगाने की तैयारी है, जिनकी खरीद प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी।

> एआई तकनीक अयोध्या धाम की सुरक्षा को अभेद बनाएगी। बड़े आयोजनों और त्योहारों में भीड़ नियंत्रण में यह तकनीक बेहद उपयोगी होगी।
>
> स्थानों को चिह्नित करने के बाद कैमरों की स्थापना प्रक्रिया शुरू की जाएगी।
>
> **आशुतोष तिवारी**
> **सीओ अयोध्या**

## भीड़ में संदिग्धों को तुरंत पहचान लेंगे कैमरे

पुलिस अधिकारियों के अनुसार परंपरागत सीसीटीवी फुटेज खंगालने में काफी समय लग जाता है, जिससे आरोपी जिले की सीमा पार कर जाते हैं। नए एआई कैमरे फेस रिकॉग्निशन सिस्टम की मदद से वांछित अपराधियों, गुमशुदा व्यक्तियों व संदिग्धों की पहचान तुरन्त कर कंट्रोल रूम को अलर्ट भेजेंगे। साथ ही असामान्य गतिविधि व संदिग्ध मूवमेंट को स्वत- स्कैन कर सुरक्षा बलों को चेतावनी देंगे।

# नशे से बचकर ही देश के भविष्य को बचा पाएंगे युवा

## सीएम योगी की सीख- सफलता का कोई शार्ट कट नहीं

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आज युवाओं के सामने दो चुनौतियां सामने है। एक ड्रग्स का नशा और दूसरा मोबाइल या स्मार्टफोन का नशा। इन दोनों नशों से बचना होगा। इनसे युवा जितना बच पाएंगे, उतना ही खुद को और देश के भविष्य को भी बचा पाएंगे। नशे से बचकर ही युवा अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर पाएंगे।**

सीएम योगी बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन पर आयोजित मुख्य महोत्सव की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने युवाओं को मोबाइल फोन के नशे से दूर रहने की सलाह दी। एक शिक्षक और अभिभावक के रूप में मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि आपको सतर्क रहना होगा क्योंकि नशा माफिया तेजी के साथ युवा पीढ़ी को अपनी चपेट में लेने का कुत्सित प्रयास करता है। अकादमिक संस्थाओं को भी इसके प्रति उतना ही अलर्ट रहना पड़ेगा।

सीएम योगी ने कहा कि युवाओं को इसके खिलाफ एक नई लड़ाई लड़ने के लिए अपने आप को तैयार करना पड़ेगा क्योंकि देश का दुश्मन किसी न किसी रूप में आपके बीच में घुसना चाहता है। उसको हम अवसर न दें।

# गुजरात में छह साल की बच्ची से रेप कर प्राइवेट पार्ट में डाल दिया रॉड!

## जख्मी बच्ची का अस्पताल में चल रहा इलाज, दरिंदा राम सिंह 3 बच्चों का है बाप

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**राजकोट। गुजरात के राजकोट में एक बेहद खौफनाक और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 6 साल की बच्ची का अपहरण करके 30 साल के एक शख्स ने उसके साथ दरिंदगी की। खुद 3 बच्चों के इस बाप ने ना सिर्फ मासूम बच्ची के साथ रेप किया बल्कि उसके प्राइवेट पार्ट में रॉड भी डाल दी। पुलिस ने हैवानियत करने वाले आरोपी राम सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। जख्मी बच्ची का अस्पताल में इलाज चल रहा है।**

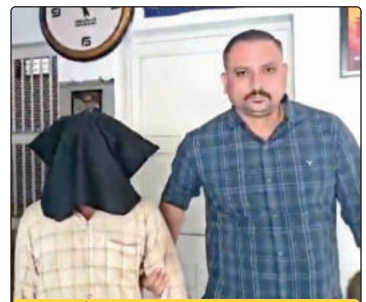

हैवानियत

मामला राजकोट के जिले के अटकोट पुलिस स्टेशन क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक घटना को 4 दिसंबर को उस वक्त अंजाम दिया गया जब बच्ची के माता-पिता खेत में काम करने के लिए बाहर गए थे। इस दौरान राम सिंह बच्ची को उठाकर एक सुनसान जगह पर ले गया और वहां उसका मुंह दबाकर हैवानियत करने लगा। मासूम बच्ची के जिस्मों पर अपने हवस का जुल्म ढहाने से जब उसका मन नहीं भरा तो उसने एक फीट का लोहे का रॉड लड़की के प्राइवेट पार्ट में डाल दिया।

इधर, काम से लौटने के बाद जब बच्ची नहीं मिली तो माता-पिता तलाश में जुटे। उन्हें वह घटनास्थल पर लहूलुहान मिली। तुरंत उसे लेकर पास के अस्पताल में गए जहां से बच्ची को राजकोट रेफर कर दिया गया। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तुरंत पुलिस हरकत में आई। 10 टीमों का गठन करके आरोपी की तलाश शुरू की गई। गांव में लगे सभी सीसीटीवी फुटेज की जांच करके इसका विश्लेषण किया गया। पुलिस ने टेलिकॉम कंपनियों से भी डेटा लेकर यह पता लगाया कि कितने मोबाइल फोन उस दौरान घटनास्थल के आसपास ऐक्टिव थे।

### बच्ची ने हैवान को पहचाना

पुलिस ने 140 संदिग्धों की सूची बनाकर उनसे पूछताछ की। एसपी राजकोट रुरल विजय सिंह गुर्जर के मुताबिक, पूछताछ के बाद 10 लोगों की तस्वीरें बच्ची को दिखाई गई। काउंसलर, महिला पुलिस अधिकारी और डॉक्टर्स की मौजूदगी में बच्ची ने एक शख्स की तस्वीर में आरोपी को पहचान लिया। एसपी ने कहा, 30 साल के आरोपी राम सिंह को गिरफ्तार किया गया है। उसने ना सिर्फ रेप किया बल्कि उसके प्राइवेट पार्ट में रॉड भी डाला। अभी जांच जारी है।

### फरार हो गया था राम सिंह

पुलिस के मुताबिक पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना जुर्म कबूल किया। उसने बताया कि उसने एक खेत में पानी की टंकी के पास उस दिन सुबह 11 बजे घटना को अंजाम दिया। लड़की के जख्मी होने और खून निकलने के बाद वह मौके से फरार हो गया। राम सिंह ने बताया कि वह मध्य प्रदेश के अलीराजपुर का रहने वाला है और दो साल से राजकोट में काम करता था।

राम सिंह 12 साल की एक बेटी और दो बेटों का बाप है। पीड़ित बच्ची का परिवार भी मूल रूप से मध्य प्रदेश का रहने वाला है और खेतों में मजदूरी करने के लिए राजकोट में रह रहा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 65 (2) और पॉक्सो ऐक्ट की धारा 5 (आई), 5 (एम), और 6 (1) के तहत केस दर्ज किया है।

## सर्विलांस से लोकेशन ट्रेस कर आधी रात सोते समय पहुंची लखनऊ पुलिस

# पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर फिल्मी अंदाज में हुए गिरफ्तार

## जमीन के नाम पर दर्ज धोखाधड़ी का मामला, देवरिया में कोर्ट में किया पेश

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**उत्तर प्रदेश के चर्चित पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर एक बार फिर कानूनी घेरे में आ गए हैं। अमिताभ ठाकुर को मंगलवार देर रात एक नाटकीय घटनाक्रम में शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन से गिरफ्तार कर लिया गया। लखनऊ पुलिस ने सर्विलांस के सहारे उनकी लोकेशन ट्रेस करने के बाद शाहजहांपुर पुलिस की मदद से ट्रेन में पकड़ा। वह लखनऊ से नई दिल्ली जा रहे थे। रात करीब सवा एक बजे सोते समय टीम उनके पास पहुंची और जगाने के बाद ट्रेन से नीचे उतार लिया। बताया जाता है कि देवरिया में जमीन के नाम पर दर्ज धोखाधड़ी के मुकदमे में गिरफ्तार किया गया है। उन्हें पहले लखनऊ वहां से देवरिया ले आया गया है। वहां पूछताछ हो रही है। देवरिया कोतवाली में करीब एक घंटे पूछताछ के बाद पुलिस उन्हें अज्ञात स्थान पर ले गई। जहां से उन्हें देवरिया कोर्ट में पेश किया गया। जिले के वरिष्ठ अधिकारी मामले पर टिप्पणी करने से बच रहे हैं। पूरा मामला वर्ष 1999 के प्लॉट खरीद विवाद से जुड़ता दिख रहा है।**

उनकी ट्रेन रात 01:52 बजे शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंची। बताया जा रहा है कि ट्रेन रुकते ही पुलिस दल दोनों ओर से उनके कोच में चढ़ गया। अमिताभ ठाकुर उस समय अपने कोच में सो रहे थे। पुलिस उनके बर्थ के पास पहुंची और उठाने के बाद नीचे उतार लिया।

### लखनऊ में भी दर्ज है केस

अमिताभ ठाकुर के खिलाफ लखनऊ के तालकटोरा थाने में भी धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी की सूचना तालकटोरा थानाप्रभारी कुलदीप कुमार दुबे ने बुधवार सुबह फोन कर अमिताभ ठाकुर की पत्नी नूतन ठाकुर को दी। इसके बाद सोशल मीडिया पर अमिताभ ठाकुर की गिरफ्तारी की जानकारी वायरल हो गई। पुलिस उपायुक्त पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव के अनुसार अमिताभ ठाकुर जब देवरिया में एसपी थे। उस समय उन्होंने कोई जमीन ली थी। उस मामले में उनके खिलाफ वहां धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था। जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया था।

उधर, तालकटोरा थाने में भी कुछ दिन पूर्व धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में अमिताभ ठाकुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। मंगलवार रात वह लखनऊ से दिल्ली जा रहे थे। इसकी सूचना पर एसआईटी और तालकटोरा पुलिस को हुई। टीमें लोकेशन के आधार पर सीतापुर-शाहजहांपुर बार्डर पर पहुंची। वहां उन्हें ट्रेन से उतार कर गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें लखनऊ लाया गया। यहां से देवरिया भेज दिया गया।

एफआईआर के अनुसार, 1999 में देवरिया के एसपी रहते हुए अमिताभ ठाकुर ने अपनी पत्नी नूतन ठाकुर के नाम पर देवरिया औद्योगिक क्षेत्र में एक प्लॉट खरीदा था। बाद में विवाद होने पर यह प्लॉट बेच दिया गया। आरोप यह है कि प्लॉट खरीदते समय पत्नी नूतन ठाकुर का नाम नूतन देवी लिखा गया पति का नाम अभिजात ठाकुर-अभिताप ठाकुर दर्ज किया गया। इसमें पता खैरा, जिला सीतामढ़ी, बिहार दर्शाया गया।

हालांकि, बाद में प्रॉपर्टी बेचते समय वास्तविक नाम और पते का उपयोग किया गया। एफआईआर करने वाले लखनऊ तालकटोरा निवासी संजय शर्मा का आरोप है कि यह दस्तावेजी जानकारी बदलकर सरकारी विभागों, बैंकों और राज्य सरकार को धोखे में रखने का प्रयास किया गया था। इस शिकायत के आधार पर सितंबर में लखनऊ के तालकटोरा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया।

### देवरिया में हो रही पूछताछ

बुधवार सुबह देवरिया पहुंचने पर पुलिस टीम अमिताभ ठाकुर को देवरिया सदर कोतवाली ले गई। वहां करीब एक घंटे तक पूछताछ की गई। इसके बाद लगभग 11:30 बजे पुलिस उन्हें दूसरी जगह ले गई। पुलिस अधिकारियों ने कोई आधिकारिक बयान देने से इनकार किया। पूछताछ के उद्देश्य और आगे की कार्रवाई पर पुलिस की चुप्पी मामले को और पेचीदा बना रही है। हालांकि बाद में पुलिस ने उन्हें देवरिया कोर्ट में पेश किया।

### सोशल मीडिया पर हो रहे ट्रेंड

सेवा में रहते हुए और रिटायरमेंट के बाद भी अमिताभ ठाकुर कई बार विवादों में घिरे रहे हैं। वे सरकार पर सवाल उठाने, भ्रष्टाचार मुद्दों को उठाने, प्रशासनिक निर्णयों के खिलाफ आवाज बुलंद करने की वजह से चर्चाओं में रहे हैं। जबरन रिटायरमेंट, राजनीतिक विवाद और न्यायिक लड़ाइयों ने उन्हें हमेशा सुर्खियों में रखा। हालांकि, अब वे प्लॉट खरीद-फरोख्त और दस्तावेजों में हेरफेर के गंभीर आरोप में फंसते दिख रहे हैं।

अमिताभ ठाकुर से देवरिया में हुई पूछताछ और पुलिस का गोपनीय रवैया संकेत देता है कि मामला अभी शुरुआती जांच से आगे बढ़ चुका है। अवैध दस्तावेज, पद के दुरुपयोग और सरकारी संस्थानों को धोखा देने जैसे आरोपों की जांच तेज होने के आसार जताए जा रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी को लेकर सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में भी चर्चाएं तेज हो गई हैं।